No. of Printed Pages : 6

# MBG–005

## M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

## (MABGS)

## Term-End Examination

## December, 2025

### MBG–005 : VIBHUTIYOGA

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) There are two Sections in the question paper. Both Sections are compulsory.*

*(ii) Answer the questions as per instructions given in both Sections.*

### Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×15=60

1. Describe Sūrya and Candramā as Divine Manifestations.

2. Describe Sanatkumaras as Divine Manifestation.
3. Describe Ecology according to the Gītā.
4. Write about the Special characteristics of Viṣṇu in the form of Divine Manifestation.
5. Write about Jaya and Kāmadeva in the form of Divine Manifestation.
6. Give a description of Buddhimān Hanumān.
7. Describe Marut and Kubera in the form of Divine Manifestations.

## Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×10=40

1. Write a note on Śastradhārī Rāma.
2. Describe Narādhipa (The Human Ruler).
3. Explain that 'The Saptarṣi are also Divine Manifestations'.
4. Mention the elements of the Science of Living-Beings as describe in the Gītā.

5. Write about the special characteristics of Śaṁkara in the form of Divine Manifestation.

6. Describe the elements of the Environment as present in the Gītā.

7. Explain the following :

बुद्धिर्ज्ञानमसम्मोहः क्षमा सत्यं दमः शमः।

सुखं दुःखं भवोऽभावो भयं चाभयमेव च॥

# MBG–005

## एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

## (एम. ए. बी. जी. एस.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## एम.बी.जी.-005 : विभूतियोग

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

*(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### खण्ड—क

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. देवविभूति के रूप में सूर्य तथा चन्द्रमा का वर्णन कीजिए।

2. देवविभूति के रूप में सनकादि कुमारों का वर्णन कीजिए।

3. गीता के अनुसार पारिस्थितिकी तन्त्र का निरूपण कीजिए।

4. देवविभूति के रूप में विष्णु का वैशिष्ट्य लिखिए।

5. जय तथा कामदेव का विभूतियों के रूप में निरूपण कीजिए।

6. बुद्धिमान् हनुमान् का वर्णन कीजिए।

7. देवविभूति के रूप में मरुत् तथा कुबेर का वर्णन कीजिए।

## खण्ड—ख

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. शस्त्रधारी राम पर टिप्पणी लिखिए।

2. नराधिप का वर्णन कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि 'सप्तर्षि भी ईश्वरीय विभूति हैं'।

4. गीता में वर्णित प्राणी विज्ञान के तत्वों का उल्लेख कीजिए।

5. शंकर का विभूति के रूप में वैशिष्ट्य लिखिए।

6. गीता में पर्यावरण के तत्वों का उल्लेख कीजिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

बुद्धिर्ज्ञानमसम्मोहः क्षमा सत्यं दमः शमः।

सुखं दुःखं भवोऽभावो भयं चाभयमेव च॥

× × × × ×